है। इस पर डिटेल्ड डिस्कशन होना चाहिए। उसके बाद मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि तमिलियंस की जो वहां पर हत्या हो रही है उससे गोपालसामी जो बहुत ज्यादा कंसर्न्ड हैं, बिना पासपोर्ट और बिना "वीसा" के वहां पर घूमकर आ चुके है। अब पासपोर्ट और वीसा देकर किन पार्लियामेंट के मेंबर्स को आप को भेजना है, उनके नाम तो निधारित करें। दूसरे यह बताने की कृपा करें कि श्रीलंका सरकार के साथ बैठकर आपने जो फैसले किए और एक एम्बेसडर नियुक्त किया। तो उसकी नियुक्त के बाद उसे वहां के राष्ट्रपति को अपना नियुक्त पत्र दिखाने में और अपना ऑफिस जाइन करने में कितने दिन लगे ? यह बताने की कृपा करें।

श्री इन्द्र कुमार गुजराल : जहां तक इस बात का ताल्लुक है कि पार्लियामेंट के कौन मेंबर जाएं, कहां जाएं, इससे जाहिर है कि सरकार का कोई ताल्लुक नहीं है। यह तो पार्लियामेंट खुद फैसला करती है कि डेलीगेशन में कौन जाएंगे कौन नहीं जाएंगे। राज्य सभा से कौन जाएं, लोकसभा मे कौन जाएं, यह तो अध्यक्ष महोदय यहां पर और स्पीकर साहब वहां पर बैठकर फैसला करते हैं और जो फैसला करते हैं, वह हमें मंजूर होता है। सरकार इसमें कोई दखल नही देती है और न ही कोई दखल देने का इरादा है। डेलीगेशन कब जाए, यह फैसला भी दोनों पार्लियामेंटस आपस में करती हैं। अगर यहां के अध्यक्ष महोदय और स्पीकर साहब फैसला करें कि भेजना है तो हम उसके लिए पूरी चैनल बनने के लिए तैयार हैं। वहां पर बात पहुंचा देंगे। जहां तक आपकी इस बात का ताल्लुक है कि बहस होनी चाहिए, यह तो अध्यक्ष महोदय के हाथ में है। इसका फैसला मुझे नहीं करना है। तीसरी बात आपने कही हमारे हाय कमिश्नर के क्रिडसियल प्रजंट करने के बारे में। तो 14 अगस्त को क्रिडेंसियल प्रेजेंट होगा। यह नार्मल कोर्स है, दुनिया के हर देश के अंदर हमारे एम्बेसेडर 23 तारीख को पहुंचे थे। एक-दो हफ्ते हर देश में लग जाते हैं क्रिडसियल प्रजेंट करने में। कोई नयी बात नहीं है।

MR. CHAIRMAN: Question No. 24.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: I raised my hand first but you didn't call me. Thank you very much.

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Protests on permitting Amnesty International to visit India

24. SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE:
SHRI MAHENDRA PRASAD:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government have recently decided to permit the Amnesty International to visit India particularly Kashmir and Punjab;

(b) if so, what are the reaosns therefor; and

(c) whether protests have been made against it by M.Ps., political parties and other organisations; if so, the details thereof; the precise rounds of such protests and Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI I. K. GUJRAL): (a) Following a review of our policy towards Amnesty International, Government decided to let members of Amnesty International to come to India for private visits or to meet the Government. It has not made any request for any enquiry nor such a permission has been granted.

(b) The decision was based on Government's firm conviction that democratic India's record of protecting and promoting Human Rights is second to none and that there is no reason for India to be defensive on this score.

(c) Government have seen Press reports of critical statements by M.Ps., political parties and others. Government have taken full note of these views.